



# मध्यप्रदेश राजपत्र

## प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 18 ]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 2 मई 2014-वैशाख 12, शके 1936

### भाग 3 ( 1 )

#### विज्ञापन

#### न्यायालयों की सूचनाएं

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इन्दौर खंडपीठ के समक्ष

( मूल कम्पनी क्षेत्राधिकार जबलपुर )

कम्पनी याचिका क्र. 5/2014

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

एवं

जी. जी. रियल इस्टेट प्रायवेट लिमिटेड एवं सीताश्री फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड समामेलन योजना कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत धारा-391-394 के मामले में

एवं

के मामले में :

जी. जी. रियल इस्टेट प्रायवेट लिमिटेड,  
कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कम्पनी,  
पंजीकृत कार्यालय 85, जानकी नगर, इन्दौर-452001 (म. प्र.).

याचिकाकर्ता क्र.1/  
अंतरक

सीताश्री फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड,  
कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कम्पनी,  
पंजीकृत कार्यालय 332/4/2, उद्योग नगर, पालदा नेमावर रोड,  
मथुरावाला की कॉलोनी, इन्दौर-452001 (म. प्र.).

याचिकाकर्ता क्र. 2/  
अंतरिती

#### साधारण अंशधारियों की बैठक बुलाने हेतु सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इन्दौर खण्डपीठ ने आदेश दिनांक 10 मार्च, 2014 एवं संशोधन आदेश दिनांक 03 अप्रैल, 2014 के द्वारा सीताश्री फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड, याचिकाकर्ता क्र. 2 कम्पनी के साधारण अंशधारियों की बैठक को बुलाये जाने

हेतु निर्देश दिया है, ताकि कम्पनी द्वारा प्रस्तावित समामेलन योजना पर विचार करें और यदि उचित हो तो परिवर्तन के साथ या अन्यथा, उपरोक्त योजना का अनुमोदन किया जा सके.

उपर्युक्त आदेश के अनुसरण में एवं उसमें निर्देशित, एतद्वारा आगे सूचित किया जाता है कि याचिकाकर्ता कंपनी की साधारण अंशधारियों की एक बैठक शनिवार, 17 मई, 2014 को सुबह 11.00 बजे "गोवर्धन लाल ओझा सभागृह", तीसरी मंजिल, भारती भवन, श्री मध्य भारत हिन्दी साहित्य समिति, 11 आर. एन. टी. मार्ग, इन्दौर पर की जायेगी, जिसमें उनसे दिये गये समय एवं स्थान पर उपस्थित होने के लिए प्रार्थना की जाती है.

उपरोक्त समामेलन योजना एवं धारा 393 के अन्तर्गत विवरण की प्रतिलिपियाँ, कंपनी के पंजीकृत कार्यालय 332/4/2, उद्योग नगर, पालदा नेमावर रोड, मथुरावाला की कॉलोनी, इन्दौर-452001 (म. प्र.). या उसके अधिवक्ता श्री विजयेश अत्रे, 304 जे. वी. कॉम्प्लेक्स, रेस कोर्स रोड, इन्दौर-452001 से निःशुल्क के प्राप्त किये जा सकते हैं.

हकदार व्यक्ति अपनी-अपनी बैठकों में उपस्थित होने व मत देने के लिये, स्वयं या परोक्षी के द्वारा मत दे सकते हैं. परन्तु यह तब जबकि सभी परोक्षी कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय पर निर्धारित प्रारूप में बैठक के कम से कम 48 घण्टे पहले जमा की जाये. कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय से परोक्षी का प्रारूप प्राप्त किया जा सकता है.

माननीय न्यायालय ने उपरोक्त बैठक के लिये श्री संजीव कोहली, अधिवक्ता को सभापति एवं उनके उपलब्ध न होने की दशा में श्री वैभव जैन, अधिवक्ता को विकल्पी सभापति नियुक्त किया है. उपरोक्त वर्णित योजना यदि बैठक द्वारा अनुमोदित किया जाता है तो वह माननीय न्यायालय के अनुवर्ती अनुमोदन के अध्वधीन होगा.

**संजीव कोहली,**

बैठक के लिये नियुक्त सभापति.

दिनांक 09 अप्रैल, 2014.

(29-बी.)

## अन्य सूचनाएं

### आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मे. शास्त्री स्टोन पॉलिसिंग उद्योग, ग्राम मालथौन, तहसील मालथौन, जिला सागर जिसमें

1. श्री शीलचंद जैन पुत्र स्व. श्री मोहनलाल जैन, 2. श्री अखिलेश जैन पुत्र श्री बालेलाल जैन, 3. श्रीमति मीना जैन पति श्री सुनील कुमार जैन, 4. स्व. श्री भैया शास्त्री पुत्र स्व. श्री पन्ना लाल शास्त्री, 5. श्रीमति सुनीता शास्त्री पति श्री शरदचंद शास्त्री, 6. श्री अविनाश शास्त्री पुत्र स्व. श्री भैया शास्त्री एवं 7. श्री कंछेदीलाल जैन पुत्र श्री कुन्दनलाल जैन, 7 भागीदार थे, का विघटन दिनांक 07 जनवरी, 2012 को हो गया है.

अतः इस संबंध में अपनी आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर दर्ज करावें. इसके पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी.

**शीलचंद जैन,**

(भागीदार)

मे. शास्त्री स्टोन पॉलिसिंग उद्योग, ग्राम मालथौन,  
तहसील मालथौन, जिला सागर.

(30-बी.)

## NOTICE

### NOTIFICATION UNDER SECTION 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932

Notice is hereby given for public information that Shri Shyam Kumar Kukreja S/o Shri Hari Ram Kukreja has retired from the partnership business of the firm named M/s Nanak Overseas, Udhog Nagar, Indore (M. P.). As partner vide Regn. No. IF/71/98-99, Dated 23-07-1998 as from 01-04-2014 and Shri Mayur Kukreja S/o Shri Nanak Ram Kukreja have been admitted in the partnership business of the said firm as a partner as from 01-04-2014 and the constitution of the firm stands altered accordingly.

For M/s Nanak Overseas,  
**Nanak Ram Kukreja**  
(Partner).

(31-B.)

## NOTICE

## NOTIFICATION UNDER SECTION 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932

Notice is hereby given for public information that Shri Radhe Shyam Sharma S/o Shri Govind Ram Sharma and Smt. Manjula Sharma W/o Shri Radhe Shyam Sharma have been admitted in the partnership business named M/s Swastik Food Products, 39, Sajan Nagar, Indore (MP) as partner vide Regn. No. 03/27/03/00307/12, dated 26-03-2012 Year 2011-12 as a partners as from 01-04-2014 and the constitution of the firm stands altered accordingly.

For M/s Swastik Food Products,  
**Lokesh Sharma,**  
(Partner).

(33-B.)

## आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स आस्था इंजीनियरिंग फर्म पंजीयन क्र.-05/26/07/00108/09 फर्म के पार्टनर (1) श्री राम बिहारी पाठक, पता ग्राम/पोस्ट-पहाड़ी, तहसील मैहर, जिला सतना (म. प्र.), (2) श्री प्रदीप सिंह, पता मार्तण्ड स्कूल के सामने, रीवा (म. प्र.) अपनी स्वेच्छा से आज दिनांक 18-06-2012 से फर्म से रिटायर हो गए हैं। अतः जिस किसी को आपत्ति हो तो वह प्रकाशन दिनांक के एक सप्ताह के अंदर आपत्ति दर्ज करें। अतः दिनांक 18-06-2012 से उनका फर्म की किसी गतिविधि से कोई लेन-देन नहीं होगा।

द्वारा-मेसर्स आस्था इंजीनियरिंग,  
**विनोद कुमार सिंह,**  
(पार्टनर)

पता-वार्ड नं.-1, हनुमान टोला,  
मैहर, जिला सतना (म. प्र.).

(32-बी.)

## जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक 22-08-2009 को नोटराईज्ड भागीदारी लेख के माध्यम से भागीदारान (1) श्री रामचंद्र सामरिया पिता श्री गणपतलाल सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन, (2) श्री राजेन्द्र सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन, (3) श्री अनिल सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन, एवं (4) श्री मनीष सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन द्वारा एक भागीदारी फर्म मैसर्स रामचंद्र सामरिया, 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन (म. प्र.) स्थापित कर कार्यालय फर्म्स एण्ड सोसायटी उज्जैन में रजिस्टर्ड कराई गई थी। दि. 04-07-2011 को फर्म के भागीदार श्री रामचंद्र सामरिया पिता गणपतलाल सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन का निधन होने के पश्चात् दिनांक 05-07-2011 को शेष तीन भागीदारान द्वारा नवीन भागीदारी लेख का निष्पादन किया गया। उक्त दि. 05-07-2011 से उक्त फर्म मैसर्स रामचंद्र सामरिया उप उपरोक्त तीनों (1) श्री राजेन्द्र सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन, (2) श्री अनिल सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन एवं (3) श्री मनीष सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया, निवासी 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन ही भागीदार हैं। सूचित हो।

मेसर्स रामचंद्र सामरिया

द्वारा-भागीदारान

राजेन्द्र सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया,  
अनिल सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया,  
मनीष सामरिया पिता श्री रामचंद्र सामरिया,  
निवासीगण 55, रामघाट मार्ग, उज्जैन.

(34-बी.)

## सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स चौधरी एग्रो कार्पो. जबलपुर, नाका दमोह जिसका पंजीयन क्रमांक 06/10/01/00007/08 सन् 2008-2009 का है। इस फर्म में दिनांक 01-04-2013 से पार्टनर श्री संजय चौधरी फर्म से अलग हो गये हैं एवं श्रीमति अमिता चौधरी दिनांक 01-04-2013 से भागीदारी के रूप में शामिल हो गई है। उक्त परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह वास्ते पार्टनर रिकार्ड सहित 15 दिवस के अंदर फर्म को सूचित करें।

वास्ते-चौधरी एग्रो कार्पोरेशन,  
**संदेश चौधरी,**  
(पार्टनरशिप)

जबलपुर नाका, दमोह.

(38-बी.)

**नाम परिवर्तन**

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम पूनम कुकरेजा था. शादी पश्चात् अब मैंने अपना नाम बदलकर चाहत रामचंदानी रख लिया है. अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए.

पुराना नाम :

नया नाम :

(पूनम कुकरेजा)

(चाहत रामचंदानी)

167, विध्यानगर,

सपना संगीता रोड के पीछे, इंदौर.

(21-बी.)

**उप नाम परिवर्तन**

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, राजाराम झारिया S/o स्व. श्री गोचर राम झारिया शपथपूर्वक यह घोषणा करता हूँ कि मेरी पुत्री के सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में भूलवश नाम सोनिया मेहरा दर्ज है जो कि गलत है एवं सही नाम सोनिया झारिया है.

अतः अब सभी दस्तावेजों में सुधार कर मेरी पुत्री का सही नाम दर्ज किया जाए.

राजाराम झारिया,

यूनिवर्सिटी 16 टीचर्स क्वार्टर के पीछे,

जबलपुर (म. प्र.).

(22-बी.)

**नाम परिवर्तन**

मैं, श्रीमती संतोष मित्तल सर्व-साधारण को सूचित करती हूँ कि पूर्व में मैं श्रीमती वर्षा गुप्ता पति श्री सुरेश गुप्ता, निवासी बी-82, वैशाली नगर, इन्दौर के नाम से जानी जाती थी. मेरा परिवर्तित नाम श्रीमती संतोष मित्तल पति श्री सुरेश मित्तल है. अब मैं इसी नाम से पहचानी जाऊँगी.

पुराना नाम :

नया नाम :

(वर्षा गुप्ता)

(संतोष मित्तल)

(05-बी.)

**CHANGE IN NAME**

I, Mohammad Eshak here by declare that I have change my name as Mohammad Ishak Khan S/o Mehmud Khan so, from now and in future I will be known by my new name.

Old Name :

New Name :

(MOHAMMAD ESHAK)

(MOHAMMAD ISHAK KHAN)

S/o Mehmud Khan,

Add : 767, Madina Nagar, Gali No. 4,

Near Madina Masjid, Indore (M.P.).

(35-B.)

**नाम परिवर्तन**

हमने हमारे पुत्र बुरहानुद्दीन का नाम परिवर्तन कर बुरहानुद्दीन शकरूवाला कर लिया है. अब से इसे इसी नाम से जाना, पहचाना जावे.

पिता—युसुफ शकरूवाला,

माता—असमा शकरूवाला,

पता—5, बट्टीबाग कॉलोनी,

इन्दौर (म. प्र.).

(37-बी.)

**उप-नाम परिवर्तन**

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, सुरेन्द्र झारिया S/o श्री राजाराम झारिया शपथपूर्वक यह घोषणा करता हूँ कि मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम सुरेन्द्र मेहरा S/o श्री राजाराम मेहरा दर्ज है, जो कि गलत है एवं सही नाम सुरेन्द्र झारिया S/o श्री राजाराम झारिया है।

अतः अब सभी दस्तावेजों में सुधार कर मेरा सही नाम सुरेन्द्र झारिया S/o श्री राजाराम झारिया लिखा, पढ़ा जावे।

पुराना नाम :

नया नाम :

( सुरेन्द्र मेहरा )

( सुरेन्द्र झारिया )

यूनिवर्सिटी 16 टीचर्स क्वार्टर के पीछे,

जबलपुर (म. प्र.)

(36-बी.)

**नाम परिवर्तन**

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र मोहम्मद रुहान अर्शी, जो कि कक्षा 10वीं, बाल भवन स्कूल, श्यामला हिल्स, भोपाल का छात्र है। इसके एडमिट कार्ड में त्रुटिवश पिता के नाम के स्थान पर अभिभावक का नाम छप गया है। मोहम्मद रुहान अर्शी के पिता का नाम गुलरेज अहमद और अभिभावक का नाम रिज़वान हफीज़ है।

( अर्शिया हफीज़ )

निवासी-5/6, सिविल लाइन्स,

श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

(39-बी.)

**विविध****न्यायालयों की सूचनाएं**

**न्यायालय पंजीयक, लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन**

प्र. क्र.17/बी-113/2013-14.

प्रारूप-चार

[नियम-5 (1) देखिए]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1959 (1951 का 30) की धारा-5 की उप-धारा (2)

मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम-5 (1) देखिये]

पंजीयक,

लोक न्यास,

जिला उज्जैन के समक्ष.

चूँकि न्यासी श्रीमती डॉ. अर्चना लाहिडी पिता श्री सुधीरनाथ चक्रवर्ती, निवासी—59, अलकापुरी, देवास द्वारा “हिन्दुत्व अभियान धार्मिक न्यास”, सी-305, विवेकानंद नगर कॉलोनी, उज्जैन ट्रस्ट का मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अधीन अनुसूची में लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन किया है। एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को प्रातः 11.00 बजे स्थान कोठी पैलेस, उज्जैन का विचार के लिए लिया जावेगा।

कोई व्यक्ति जो उक्त न्यास या सम्पत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में की आपत्तियां करने या सुझाव देने के विचार रखता हो, उसे इस सूचना लोक न्यास है और उसका गठन करती है।

अतः मैं, पंजीयक, लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन, जिला उज्जैन का लोक न्यासों का पंजीयक अपने न्यायालय में दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उप-धारा (1) के द्वारा यथाअपेक्षित जांच करना प्रस्तावित करता हूँ।

अतः एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करता और कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए. उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्राह्य नहीं किया जाएगा.

### अनुसूची

( लोक न्यास की सम्पत्ति का वर्णन तथा लोक न्यास का नाम और पता )

न्यास का नाम	..	हिन्दुत्व अभियान धार्मिक न्यास, उज्जैन.
कार्यालय पता	..	305, विवेकानंद कॉलोनी, उज्जैन.
अचल सम्पत्ति	..	निरंक
चल सम्पत्ति	..	आवेदन पत्र अनुसार रुपये भारतीय स्टेट बैंक, माधव नगर, उज्जैन के अकाउन्ट नं. 33604073048 में नगद 11,108/- रुपये जमा है.

(283)

प्र. क्र.10/बी-113/2013-14.

### प्रारूप-चार

[नियम-5 (1) देखिए]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1959 (1951 का 30) की धारा-5 की उप-धारा (2)

मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम-5 (1) देखिये]

पंजीयक,  
लोक न्यास,  
जिला उज्जैन के समक्ष.

चूँकि श्री विशाल खान पिता रफीक अहमद खान, निवासी—26, रामप्रसाद भार्गव मार्ग, उज्जैन द्वारा “अल हादी ट्रस्ट”, कार्यालय-19/1, फर्स्ट फ्लोर, चितेरा बाखल, कमरी मार्ग, उज्जैन ट्रस्ट का मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अधीन अनुसूची में लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन किया है. एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 28 अप्रैल, 2014 को प्रातः 11.00 बजे स्थान कोठी पैलेस, उज्जैन का विचार के लिए लिया जावेगा.

कोई व्यक्ति जो उक्त न्यास या सम्पत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में की आपत्तियां करने या सुझाव देने के विचार रखता हो, उसे इस सूचना लोक न्यास है और उसका गठन करती है.

अतः मैं, पंजीयक, लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन, जिला उज्जैन का लोक न्यासों का पंजीयक अपने न्यायालय में दिनांक 28 अप्रैल, 2014 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उप-धारा (1) के द्वारा यथाअपेक्षित जांच करना प्रस्तावित करता हूँ.

अतः एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करता और मेरे कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए. उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्राह्य नहीं किया जाएगा.

### अनुसूची

( लोक न्यास, की सम्पत्ति का वर्णन तथा लोक न्यास का नाम और पता )

न्यास का नाम	..	अल हादी ट्रस्ट, उज्जैन.
कार्यालय	..	19/1, फर्स्ट फ्लोर, चितेरा बाखल, कमरी मार्ग, उज्जैन
अचल सम्पत्ति	..	निरंक
चल सम्पत्ति	..	आवेदन-पत्र अनुसार रुपये 20,000/- नगद जमा है.

(283-A)

शैलेन्द्रसिंह सोलंकी,  
पंजीयक एवं अनुविभागीय अधिकारी.

**न्यायालय रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, इन्दौर****(फॉर्म-चार)**

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

अनन्त राहत सेवा संस्थान (लोक न्यास), कार्यालय पता-7, एम.जी. रोड, 303, अहिंसा टॉवर, इन्दौर, की ओर से श्री मुकेश कैरो, पता-5/20, विजय नगर, इन्दौर, मध्यप्रदेश द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

**परिशिष्ट**

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	अनन्त राहत सेवा संस्थान (लोक न्यास).
कार्यालय पता	:	7, एम.जी. रोड, 303, अहिंसा टॉवर, इन्दौर.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रुपये 11000/- (अक्षरी रुपये ग्यारह हजार मात्र).

आज दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(284)

**(फॉर्म-चार)**

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

शुठीबाई शारदा देवी पारमार्थिक ट्रस्ट, कार्यालय-दैनिक भास्कर, 4/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इन्दौर की ओर से मैनेजिंग ट्रस्टी श्री रमेशचंद्र अग्रवाल, निवासी-ई-1/79, अरेरा कॉलोनी, भोपाल द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

**परिशिष्ट**

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	शुठीबाई शारदा देवी पारमार्थिक ट्रस्ट.
पता	:	कार्यालय-दैनिक भास्कर, 4/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इन्दौर.
अचल सम्पत्ति	:	रहवासी मकान नं. 48, रेडियो कॉलोनी, इन्दौर मय फर्नीचर कीमत 21,24,480/-.
चल सम्पत्ति	:	प्रदर्श ए अनुसार.

आज दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(284-A)

## (फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

श्री दामोदर वंशीय क्षत्रिय जूना गुजराती दर्जी समाज (नवयुवक) पारमार्थिक ट्रस्ट, कार्यालय-दामोदर नगर, श्री टेकचंदधाम धर्मशाला, धार रोड, इन्दौर, मध्यप्रदेश की ओर से श्री कैलाश पिता रामचन्द्र चौहान, निवासी—86, अलकापुरी, मुसाखेडी, इंदौर एवं अन्य द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

## परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	श्री दामोदर वंशीय क्षत्रिय जूना गुजराती दर्जी समाज (नवयुवक) पारमार्थिक ट्रस्ट.
पता	:	कार्यालय 1, दामोदर नगर, श्री टेकचंदधाम धर्मशाला, धार रोड, इन्दौर, म. प्र.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रु. 11,000/- (रु. ग्यारह हजार मात्र)

आज दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(284-B)

## (फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

जगन्नाथ नारायण चेरिटी फाउण्डेशन, कार्यालय-22/1, देवासकोठी, मुराई मोहल्ला, मेनरोड, संयोगितागंज, छावनी, इन्दौर की ओर से श्री रमाकांत पिता अरूणकुमार अग्रवाल, निवासी-22/1, देवासकोठी, मुराई मोहल्ला मेनरोड, संयोगितागंज, छावनी, इन्दौर एवं श्री श्याम सुन्दर पिता रामगोपाल उपाध्याय द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

## परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	जगन्नाथ नारायण चेरिटी फाउण्डेशन.
पता	:	कार्यालय-22/1, देवासकोठी, मुराई मोहल्ला, मेनरोड, संयोगितागंज, छावनी, इन्दौर.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रु. 5,01,971/- (रु. पाँच लाख एक हजार नौ सौ इकहत्तर मात्र) बैंक में जमा तथा रुपये 63, 404/- अक्षरी रुपये तिरेसठ हजार चार सौ चार नगद एवं संलग्न सूची अनुसार अन्य चल सम्पत्तियां.

आज दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(284-C)



## ( फॉर्म-चार )

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

श्री जगन्नाथ नारायण वृद्धाश्रम ट्रस्ट, कार्यालय-एम. ओ. जी. लाईन, इन्दौर, नेत्र चिकित्सालय परिसर, धार रोड, इन्दौर की ओर से श्री रमाकांत पिता अरूण कुमार अग्रवाल, निवासी-22/1, देवासकोठी, मुराई मोहल्ला मेनरोड, संयोगितागंज, छावनी, इन्दौर एवं श्री अजीत कुमार पिता नट्टुभाई चुडगर, निवासी-50, अक्षयदीप कॉलोनी, ए. बी. रोड, इन्दौर द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

## परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	श्री जगन्नाथ नारायण वृद्धाश्रम ट्रस्ट
पता	:	कार्यालय-एम. ओ. जी. लाईन, इन्दौर, नेत्र चिकित्सालय परिसर, धार रोड, इन्दौर.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रु. 60,732/- (रु. साठ हजार सात सौ बत्तीस मात्र) बैंक में जमा तथा रुपये 43, 223/- अक्षरी रुपये त्रियालीस हजार दो सौ तेईस मात्र नगद एवं संलग्न सूची अनुसार अन्य चल सम्पत्तियां.

आज दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(284-D)

## ( फॉर्म-चार )

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

मातुश्री मोहिनी देवी पारमार्थिक ट्रस्ट, कार्यालय-27, सीता बिल्डिंग, यशवंत निवास रोड, इंदौर की ओर से श्री निवास गोयल द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

## परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	मातुश्री मोहिनी देवी पारमार्थिक ट्रस्ट.
पता	:	कार्यालय-27, सीता बिल्डिंग, यशवंत निवास रोड, इंदौर.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रु. 11,000/- (रु. ग्यारह हजार मात्र)

आज दिनांक 10 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

विजय कुमार अग्रवाल,  
रजिस्ट्रार.

(284-E)

## न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, छतरपुर

छतरपुर, दिनांक 23 अप्रैल, 2014

प्र. क्र. 2बी/113/2013-14.

### प्रारूप-4

[नियम-5 (1) के अंतर्गत]

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-5 (2) और

मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 नियम 5 (1) के अंतर्गत]

जैसाकि “निर्वाणा फाउण्डेशन” पृथ्वी भवन, सिविल लाईन, नरसिंहगढ़पुरवा, छतरपुर, मध्यप्रदेश के द्वारा लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 (2) एवं मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 के नियम-2 के तहत अनुसूची में विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिए लोक न्यास के रूप में पंजीयन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है एवं उपरोक्त प्रस्तावित लोक न्यास के अधोलिखितानुसार न्यासी प्रस्तावित हैं :—

1. संजय सिंह तनय तेज प्रताप सिंह, निवासी पृथ्वी भवन, सिविल लाईन, नरसिंहगढ़पुरवा, छतरपुर, मध्यप्रदेश, स्थापना (ट्रस्टी)
2. सिस्टर लूसी कुरियन पुत्री श्री वक्का चलिल कुरियन, निवासी माहिर, सर्वे नम्बर 1295, बडु बुदरक, शिरूर पुणे, महाराष्ट्र (ट्रस्टी)
3. अजयपाल सिंह परमार तनय श्री मंगल सिंह परमार, निवासी मानसरोवर 10 सिविल लाईन, छतरपुर, मध्यप्रदेश (ट्रस्टी)
4. आलोक चतुर्वेदी तनय स्व. श्री बाबूराम चतुर्वेदी, टोरिया हाउस, जबाहर रोड, छतरपुर, मध्यप्रदेश (ट्रस्टी)
5. पवन कुमार मित्तल तनय स्व. श्री सी. आर. मित्तल, निवासी मित्तल भवन, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कटनी, मध्यप्रदेश (ट्रस्टी)
6. बृजेन्द्र सिंह तनय स्व. श्री हरनाम सिंह, निवासी सेवा ग्राम खजुराहो, राजनगर, छतरपुर, मध्यप्रदेश (ट्रस्टी)
7. योगेन्द्र प्रताप सिंह परमार तनय स्व. श्री कृष्णप्रताप सिंह परमार, निवासी मां पीताम्बरा कॉलोनी, हनुमान टोरिया के पीछे, छतरपुर, मध्यप्रदेश (ट्रस्टी)
8. लोकपाल सिंह परमार तनय स्व. श्री पृथ्वीसिंह परमार, निवासी पृथ्वी भवन, सिविल लाईन, नरसिंहगढ़पुरवा, छतरपुर, मध्यप्रदेश (ट्रस्टी)

### अनुसूची

1. लोक न्यास का नाम : “निर्वाणा फाउण्डेशन” पृथ्वी भवन, सिविल लाईन, नरसिंहगढ़पुरवा, छतरपुर, मध्यप्रदेश
2. अचल सम्पत्ति : निरंक
3. चल सम्पत्ति : निरंक

एतद्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कथित आवेदन पर दिनांक 27-05-2014 को अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में विचार किया जावेगा. इस संबंध में जिस किसी को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति इस सूचना-पत्र के प्रकाशन की तारीख से एक माह के अन्दर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस में स्वयं अथवा अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से अपना अभ्याक्षेपण दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकता है. उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरांत प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा.

डी. पी. द्विवेदी,

रजिस्ट्रार एवं अनुविभागीय अधिकारी.

**अन्य सूचनाएं****कार्यालय परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक, सहकारी संस्था मर्यादित, विदिशा**

विदिशा, दिनांक 21 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम 57 (ग) के अन्तर्गत]

क्र./परि./14/क्यू.—निम्नलिखित संस्थाओं को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर मुझे 70 (1) अंतर्गत परिसमापक नियुक्त किया गया है :—

क्रमांक	परिसमापित संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन आदेश एवं दिनांक
1.	वनदेवी महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, कूल्हन	598/10-01-02	1346/29-12-2010
2.	मसरत आफजा महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, सीहोरा	621/27-04-02	1346/29-12-2010
3.	हरिजन आदिवासी कामगार एवं कारीगर सहकारी संस्था मर्यादित, खजूरिया	506/30-09-94	1346/29-12-2010
4.	आदर्श कामगार सहकारी संस्था मर्यादित, इकोदा	534/23-11-95	1346/29-12-2010
5.	प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्यादित, कुरवाई	357/31-12-90	1346/29-12-2010
6.	शान्ति महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, सीहोरा	619/27-04-02	1346/29-12-2010

अतः मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अंतर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना प्रकाशन के दिनांक से 2 माह के अंदर मय साक्ष्य के यदि कोई हो तो मुझे कार्यालय सहायक पंजीयक (अंकेक्षण), सहकारी संस्थाएं, विदिशा में उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाण प्रस्तुत करें। त्रुटि की दशा में किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के लिये संबंधित दावेदार स्वयं दायित्वाधीन होंगे। यदि 2 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा मान्य नहीं किया जावेगा तथा संस्था की लेखा पुस्तकों में संबद्ध लेखाबद्ध दायित्व मुझे स्वमेव प्रस्तुत किये गये समझे जायेंगे।

आज दिनांक 31 दिसम्बर, 2012 को मेरे हस्ताक्षर कार्यालयीन मुद्रा से आदेश जारी किया गया।

अनिल कुमार सक्सैना,  
परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक.

(285)

**कार्यालय उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी**

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/224.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., पटेहरा कला, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1216, दिनांक 05 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/225.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., ओबरहा, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1215, दिनांक 05 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-A)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/226.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., महाराजपुर, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1221, दिनांक 18 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-B)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/227.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., झगरहा, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1223, दिनांक 18 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-C)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/228.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., खैरही, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1224, दिनांक 18 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-D)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/229.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., तेदुआ, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1225, दिनांक 18 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-E)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/230.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., करगिल, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1230, दिनांक 25 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-F)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/231.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., बघवारी, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1231, दिनांक 29 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-G)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/232.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., सारोकला, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1232, दिनांक 29 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-H)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/233.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., देवगढ़, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1255, दिनांक 11 नवम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-I)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/234.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., भेलकी, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1261, दिनांक 18 नवम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-J)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/235.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., डिहुली, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1262, दिनांक 18 नवम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-K)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/236.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., विजयपुर, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1267, दिनांक 18 नवम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-L)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/237.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., नौगवां दर्शन सिंह, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1268, दिनांक 18 नवम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-M)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/238.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., पडैनिया खुर्द, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1269, दिनांक 18 नवम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-N)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/239.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., करौंदिया, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1287, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-O)



सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/240.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., कठार, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1289, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(286-P)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/241.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., हस्तिनापुर, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1298, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(286-Q)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/242.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., भमरहा, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1301, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(286-R)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[ मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत ]

क्र./परि./2014/243.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., सुकवारी दक्षिण, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1302, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-S)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[ मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत ]

क्र./परि./2014/244.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., कुस्परी, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1303, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-T)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[ मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत ]

क्र./परि./2014/245.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., जमोडी सेंगरान, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1304, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-U)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/246.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., विशुनीटोला, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1305, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-V)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/247.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., पटौहा, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1307, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-W)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/248.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., मधुगांव उत्तर, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1308, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(286-X)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/249.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/497, दिनांक 14 अगस्त, 2013 के द्वारा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., हडबडो, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/805, दिनांक 22 जनवरी, 2001 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(286-Y)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/250.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/500, दिनांक 14 अगस्त, 2013 के द्वारा महिला बहु. सहकारी समिति मर्या., डोल, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/847, दिनांक 06 फरवरी, 2002 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(286-Z)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/251.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/503, दिनांक 14 अगस्त, 2013 के द्वारा आदर्श महिला बहु. सहकारी समिति मर्या., टीकट कला, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/893, दिनांक 18 फरवरी, 2003 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(287)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/252.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/504, दिनांक 14 अगस्त, 2013 के द्वारा आदर्श महिला बहु. सहकारी समिति मर्या., शरदा, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1012, दिनांक 28 जून, 2005 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(287-A)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/253.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/506, दिनांक 14 अगस्त, 2013 के द्वारा आदर्श महिला बहु. सहकारी समिति मर्या., मझरेटी, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/889, दिनांक 11 फरवरी, 2003 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(287-B)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/254.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/507, दिनांक 14 अगस्त, 2013 के द्वारा आदर्श महिला बहु. सहकारी समिति मर्या., पटेहरा कोठार, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/967, दिनांक 10 अक्टूबर, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री श्रीधर गुप्ता, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया.

(287-C)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/255.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., गाडा बबन सिंह कोटर खुर्द, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1297, दिनांक 04 दिसम्बर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री मदन सिंह उइके, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(287-D)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/256.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., कसिहवा, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1229, दिनांक 25 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री मदन सिंह उइके, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(287-E)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/257.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1026, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 के द्वारा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., तेगवा, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक AR/SDH/1299, दिनांक 04 अक्टूबर, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री मदन सिंह उइके, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(287-F)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/258.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2012/690, दिनांक 11 जून, 2012 के द्वारा क्रय-विक्रय महिला सहकारी समिति मर्या., हटवा (खास), जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक DR/SDH/1024, दिनांक 21 नवम्बर, 2005 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री बाल कृष्ण सौंधिया, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(287-G)

सीधी, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/259.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2012/1116, दिनांक 03 सितम्बर, 2012 के द्वारा प्राथमिक ईंधन क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्या., रामपुर नैकिन, जिला सीधी, जिसका पंजीयन क्रमांक DR/SDH/855, दिनांक 23 अप्रैल, 2002 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन अन्तर्गत लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री बाल कृष्ण सौंधिया, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। परिसमापक की कार्यवाही के परीक्षण उपरांत मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, नरेश सिन्हा, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटीज, जिला सीधी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के तहत पंजीयक के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का निगम-निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

नरेश सिन्हा,  
उप-रजिस्ट्रार।

(287-H)

### कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, भिण्ड, जिला भिण्ड

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के 57 (सी) के अन्तर्गत]

उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, भिण्ड के आदेश क्रमांक/परि./2013/187, भिण्ड, दिनांक 30 जनवरी, 2013 के अनुसार मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं को परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 अन्तर्गत मुझे परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	सुभान साख सहकारी संस्था मर्या., मौ	698/26-05-1984	2231/04-11-2000
2.	प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., बिरखड़ी	164/15-01-1974	162/15-01-1979

1	2	3	4
3.	हरिजन मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था मर्या., गोहद	359/14-05-1955	217/14-06-2006
4.	जय बजरंग अनु. जाति यातायात सहकारी मर्या., गोहद	750/02-11-1998	
5.	फल, साग-सब्जी सहकारी संस्था मर्या., दले का पुरा	737/14-08-1997	323/13-02-2004
6.	शहरिया आदिवासी श्रमिक कामगार सह. संस्था मर्या., डोंग बिरखड़ी	468/13-07-1977	1115/19-06-1979
7.	बजरंग कामगार सहकारी संस्था मर्या., झांकरी	667/20-12-1989	2214/03-11-2000
8.	समता श्रम ठेका कामगार सहकारी संस्था मर्या., सिरसौदा	682/11-02-1992	
9.	अनु. जाति कामगार सह. संस्था मर्या., दिलीप सिंह का पुरा	721/15-03-1996	2211/03-11-2000
10.	जय शीतला कामगार सह. संस्था मर्या., गोहद	251/10-11-1996	990/06-04-2005
11.	निर्मित ठेका सह. संस्था मर्या., रायतपुरा	739/07-10-1997	
12.	उद्वहन सिंचाई सह. संस्था मर्या., रसनौल	243/20-10-1975	
13.	बहुउद्देशीय कार्यकारिणी सह. संस्था मर्या., धनश्याम पुरा	178/02-06-1978	
14.	तिजारत सह. संस्था मर्या., गोहद		
15.	क्रय-विक्रय सहकारी संस्था मर्या., नौनेरा	409/10-04-1963	1248/16-01-1995
16.	राजीव गाँधी कल्याण उद्योग सह. संस्था मर्या., गोहद	714/14-06-1995	932/11-02-2009

मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 (1) के अन्तर्गत परिसमापन दि. से संस्थाओं की समस्त आस्तियां परिसमापक में वेष्टित हो गई हैं. अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत उक्त सहकारी संस्थाओं के विरुद्ध दावों की सूचना के प्रकाशन दिनांक से 60 दिवस के अन्दर मय प्रमाणों के यदि कोई हो, तो लिखित रूप से मेरे समक्ष कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, भिण्ड में कार्यालयीन दिवसों में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें. त्रुटि की दशा में साहूकारगण/दावेदारगण/सदस्यगण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने से दायित्वाधीन होंगे.

समयावधि उपरांत उनके कोई दावे एवं आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा संस्थाओं की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध दायित्व स्वमेव मुझे प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे.

यदि उक्त संस्थाओं के अभिलेख या आस्तियां/डेडस्टॉक/संस्था का रिकार्ड किसी के पास हो तो अविलम्ब अधोहस्ताक्षरकर्ता को सौंपे, यदि बाद में ज्ञात होता है कि किसी के द्वारा जानबूझकर आस्तियां या अभिलेख या रिकॉर्ड एवं डेडस्टॉक नहीं सौंपे गये हैं, तो सम्बन्धित के विरुद्ध उनको वसूलने हेतु विधिवत वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित की होगी.

यदि उक्त संस्थाओं के अभिलेख एवं आस्तियां समस्त प्रयासों के बावजूद प्राप्त नहीं होती हैं तो दावेदार/साहूकारों/सदस्यों के दावे, आपत्तियों तथा लेनदारी एवं देनदारी का निराकरण गत वर्षों की अंकेक्षण स्थिति विवरण पत्रकों के आधार पर परिसमापक के विवेक व सक्षम अधिकारी के अनुमोदन उपरान्त किया जावेगा.

यह सूचना आज दिनांक 06 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई.

राकेश जैन,

(288)

परिसमापक एवं उप अंकेक्षक.

### कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला भिण्ड

चम्बल फल, साग-सब्जी सहकारी संस्था मर्या., दवोह, तहसील लहार, जिला भिण्ड, पंजीयन क्र. 708, दिनांक 13 फरवरी, 1995 को कार्यालयीन आदेश क्र./परि./730, दिनांक 16 मार्च, 2005 के मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था.

परिसमापक से प्राप्त अंतिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था का लेन-देन शेष नहीं है.

अतः मैं, आर. एस. गौर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला भिण्ड मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्र./एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त



शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ. उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 22 मार्च, 2014 से निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा.

यह आदेश आज दिनांक 22 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया है.

(289)

महात्मा गाँधी संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., सीगपुरा, तहसील भिण्ड, जिला भिण्ड, पंजीयन क्र. 189, दिनांक 09 फरवरी, 1966 को कार्यालयीन आदेश क्र./परि./1213, दिनांक 20 जून, 1991 के मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था.

परिसमापक से प्राप्त अंतिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था का लेन-देन शेष नहीं है.

अतः मैं, आर. एस. गौर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला भिण्ड मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्र./एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ. उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 22 मार्च, 2014 से निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा.

यह आदेश आज दिनांक 22 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया है.

(289-A)

देवेन्द्र संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., कचौगरा, तहसील भिण्ड, जिला भिण्ड, पंजीयन क्र. 180, दिनांक 22 फरवरी, 1965 को कार्यालयीन आदेश क्र./परि./1211, दिनांक 20 जून, 1991 के मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था.

परिसमापक से प्राप्त अंतिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था का लेन-देन शेष नहीं है.

अतः मैं, आर. एस. गौर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला भिण्ड मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्र./एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ. उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 22 मार्च, 2014 से निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा.

यह आदेश आज दिनांक 22 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया है.

(289-B)

संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., कंचनपुरी, तहसील भिण्ड, जिला भिण्ड, पंजीयन क्र. 182, दिनांक 21 फरवरी, 1965 को कार्यालयीन आदेश क्र./परि./1212, दिनांक 20 जून, 1991 के मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था.

परिसमापक से प्राप्त अंतिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था का लेन-देन शेष नहीं है.

अतः मैं, आर. एस. गौर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला भिण्ड मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्र./एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ. उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 22 मार्च, 2014 से निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा.

यह आदेश आज दिनांक 22 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया है.

(289-C)

सामूहिक कृषि सहकारी संस्था मर्या., छौलियाना वार्ड, तहसील भिण्ड, जिला भिण्ड, पंजीयन क्र. 233, दिनांक 16 जनवरी, 1970 को कार्यालयीन आदेश क्र./परि./1205, दिनांक 20 जून, 1991 के मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था.

परिसमापक से प्राप्त अंतिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था का लेन-देन शेष नहीं है।

अतः मैं, आर. एस. गौर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला भिण्ड मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्र./एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ। उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 22 मार्च, 2014 से निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा।

यह आदेश आज दिनांक 22 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

(289-D)

संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., बीसलपुरा, तहसील भिण्ड, जिला भिण्ड, पंजीयन क्र. 228, दिनांक 30 अप्रैल, 1970 को कार्यालयीन आदेश क्र./परि./1214, दिनांक 20 जून, 1991 के मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था।

परिसमापक से प्राप्त अंतिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था का लेन-देन शेष नहीं है।

अतः मैं, आर. एस. गौर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला भिण्ड मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्र./एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ। उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 22 मार्च, 2014 से निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा।

यह आदेश आज दिनांक 22 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

आर. एस. गौर,

उप पंजीयक.

(289-E)

### कार्यालय उप-आयुक्त सहकारिता एवं उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1384, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था ढीमर समाज मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्या., पाटन जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 759 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी। संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री प्रशान्त कौरव, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पंद्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था ढीमर समाज मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्या., पाटन जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 759 का पंजीयन निरस्त करती हूँ। संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निर्गमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1369, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था भारतीय मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्या., धनवाही जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 867 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी। संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री सुभाष जैन, वरि. स. नि. द्वारा संस्था

के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था भारतीय मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्या., धनवाही जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 867 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290-A)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1370, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था जय विजय फल-फूल, साग-सज्जी उत्पादक एवं विपणन सहकारी समिति मर्या., बरेला जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1670 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी। संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री सुभाष जैन, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था जय विजय फल-फूल, साग-सज्जी उत्पादक एवं विपणन सहकारी समिति मर्या., बरेला जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1670 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290-B)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1725, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था रजा महिला प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1194 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी। संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ओ. पी. दीक्षित, उप-अके. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था रजा महिला प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1194 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290-C)

## [मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1732, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था पिछड़ा वर्ग कल्याण प्राथ. उप. सह. भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1254 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ओ. पी. दीक्षित, उप-अंकेक्षक द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था पिछड़ा वर्ग कल्याण प्राथ. उप. सह. भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1254 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-D)

## [मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1509, जबलपुर, दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था अमरदीप गौड़ खनिज उत्खनन सहकारी समिति मर्या., मझौली जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1686 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एम. एल. जैन, उप-अंकेक्षक द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था अमरदीप गौड़ खनिज उत्खनन सहकारी समिति मर्या., मझौली जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1686 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-E)

## [मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1587, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था पत्थर तोड़ हरिजन आदिवासी खनिज सहकारी समिति मर्या., भाटायोना जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1806 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था पत्थर तोड़ हरिजन आदिवासी खनिज सहकारी समिति मर्या., भाटायोना जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1806 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290-F)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1684, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था राजा महिला उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1173 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था राजा महिला उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1173 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290-G)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1683, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था वर्षा देवी प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1279 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था वर्षा देवी प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1279 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290-H)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1562, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था सेनेटरी मार्ट उद्योग सहकारी समिति मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1856 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री नरेन्द्र सोनकर, व. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना

क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था सेनेटरी मार्ट उद्योग सहकारी समिति मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1856 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-I)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1696, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था हनुमत प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1452 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री विवेक जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था हनुमत प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1452 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-J)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1691, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था माँ त्रिपुरी सुंदरी उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1354 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री विवेक जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था माँ त्रिपुरी सुंदरी उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1354 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-K)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1692, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था आदर्श ऊषा महिला प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1360 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री विवेक जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के

शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था आदर्श ऊषा महिला प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1360 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-L)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1700, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था गुलशन प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1418 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री विवेक जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था गुलशन प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1418 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-M)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1694, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था अशरफी प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1436 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री विवेक जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था अशरफी प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1436 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-N)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1672, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था सराफा प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार

मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1077 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था सराफा प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1077 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-O)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1673, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था आजाद प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1080 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था आजाद प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1080 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-P)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1674, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था दि राजधानी प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1096 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था दि राजधानी प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1096 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-Q)



[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1678, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था श्री गायत्री प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1224 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था श्री गायत्री प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1224 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-R)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1677, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था अतुल प्राथ. उपभोक्ता सह. भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1212 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था अतुल प्राथ. उपभोक्ता सह. भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1212 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-S)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1670, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था स्वावलम्बी प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1051 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था स्वावलम्बी प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1051 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-T)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1675, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था शिवशक्ति प्राथ. उप. सह. भण्डार मर्या. जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1320 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था शिवशक्ति प्राथ. उप. सह. भण्डार मर्या. जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1320 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-U)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1671, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था अंजुमन प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1070 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री एन. पी. विश्वकर्मा, वरि. स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था अंजुमन प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1070 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-V)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1443, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., उजरोड पाटन जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1838 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री राजेश परोहा, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक

एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., उजरोड पाटन जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1838 का पंजीयन निरस्त करती हैं. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-W)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1445, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था बुंदेला महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1832 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री राजेश परोहा, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था बुंदेला महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1832 का पंजीयन निरस्त करती हैं. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-X)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1451, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था बहुप्रयोजन महिला बहु. सहकारी समिति मर्या., मनखेड़ी जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1749 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री राजेश परोहा, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था बहुप्रयोजन महिला बहु. सहकारी समिति मर्या., मनखेड़ी जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1749 का पंजीयन निरस्त करती हैं. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(290-Y)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1448, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था शिवशक्ति महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., छपरहट जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1780 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री राजेश परोहा, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम

प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था शिवशक्ति महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., छपरहट जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1780 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(290-Z)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1681, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था माँ वैष्णव प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1233 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था माँ वैष्णव प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1233 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(291)

जबलपुर, दिनांक 26 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./उपज/परि./2014/718.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1680, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था रक्कास बाबा प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1231 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था रक्कास बाबा प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1231 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(291-A)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1688, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था नवोदय उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर,

पंजीयन क्रमांक 1349 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था नवोदय उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1349 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(291-B)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1679, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था प्रगति प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1366 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था प्रगति प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1366 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(291-C)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1687, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था विंध्याचल प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1110 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री ललित जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था विंध्याचल प्राथ. उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1110 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 24 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(291-D)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1690, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था आशीर्वाद प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1351 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री विवेक जैन, स. नि. द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था आशीर्वाद प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1351 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 24 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(291-E)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/उपज/परि./1717, जबलपुर दिनांक 02 जुलाई, 2013 के द्वारा संस्था जय भारत प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1298 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन के अधीन लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत परिसमापक की नियुक्ति की गई थी. संस्था के वर्तमान परिसमापक श्री टी. आर. चौधरी, उप-अंकेक्षक द्वारा संस्था के परिसमापन की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न की जाकर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है. संस्था के देनदारी-लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जबलपुर से कराये जाने के उपरांत परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी-देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के आधार पर संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, श्रीमती आरती पटेल, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-2-2010-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत संस्था जय भारत प्राथ. उप. सहकारी भण्डार मर्या., जबलपुर, पंजीयन क्रमांक 1298 का पंजीयन निरस्त करती हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 24 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(291-F)

आरती पटेल,  
सहायक आयुक्त.

### कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 4857, दिनांक 27 जुलाई, 1967 द्वारा शीटमेटल उद्योग सहकारी संस्था मर्या., ताजपुर, जिसका पंजीयन क्रमांक 07, दिनांक 23 सितम्बर, 1959 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(292)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 6507, दिनांक 06 अक्टूबर, 1967 द्वारा ग्रामोद्योग विश्वकर्मा क्राफ्ट सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 13, दिनांक 02 जनवरी, 1960 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-A)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 द्वारा वीरेन्द्र महिला बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता ओरडी, तह. बड़नगर, जिला उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 44, दिनांक 12 मई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री अभय निगम, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-B)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2384, दिनांक 04 दिसम्बर, 2012 द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., बलोदाकोरन, जिसका पंजीयन क्रमांक 779, दिनांक 24 मार्च, 1988 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री नरसिंह कनेल, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-C)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1084, दिनांक 13 फरवरी, 1992 द्वारा रविदास चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., जलालखेड़ी, जिसका पंजीयन क्रमांक 138, दिनांक 05 मार्च, 1962 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री सी. एस. असोडिया, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(292-D)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2088, दिनांक 15 जून, 1993 द्वारा नवीन कुम्हारी उद्योग सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 361, दिनांक 17 अगस्त, 1973 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री व्ही. के. जोशी, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(292-E)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 474, दिनांक 01 फरवरी, 1984 द्वारा बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या., मुण्डलासेठिया, जिसका पंजीयन क्रमांक 128, दिनांक 29 अगस्त, 1962 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री सी. एस. असोडिया, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(292-F)



उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2234, दिनांक 29 मई, 1995 द्वारा अवंतिका लोहारी शीटमेटल उद्योगिक सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 880, दिनांक 01 जून, 1959 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री व्ही. के. जोशी, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-G)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 द्वारा श्री महाकालेश्वर साख स्वायत्त सहकारिता, उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 03, दिनांक 29 दिसम्बर, 2000 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री अभय निगम, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-H)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2095, दिनांक 15 जून, 1993 द्वारा अनुसूचित जाति वस्त्र रेडिमेड उद्योग सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 647, दिनांक 08 फरवरी, 1984 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री व्ही. के. जोशी, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-I)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 948, दिनांक 13 अप्रैल, 2005 द्वारा स्वयं सिद्ध महिला बुनकर सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 414, दिनांक 23 जनवरी, 1993 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री व्ही. के. जोशी, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-J)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2384, दिनांक 04 दिसम्बर, 2012 द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., जलोदसंजर, जिसका पंजीयन क्रमांक 697, दिनांक 31 जनवरी, 1985 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री नरसिंह कनेल, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-K)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 3866, दिनांक 17 जुलाई, 1969 द्वारा भारत सेवक गुड़ खाण्डसारी उद्योग सहकारी संस्था मर्या., करोहन, जिसका पंजीयन क्रमांक 73, दिनांक 10 फरवरी, 1961 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री एन. के. राय, व.स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-L)

उज्जैन, दिनांक 26 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1768.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 7164, दिनांक 07 नवम्बर, 1964 द्वारा उज्जैन गुड़ खाण्डसारी उद्योग सहकारी संस्था मर्या., साहिबखेड़ी, जिसका पंजीयन क्रमांक 21, दिनांक 26 मई, 1966 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. के. राय, व.स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(292-M)

उज्जैन, दिनांक 30 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1803.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1789, दिनांक 25 नवम्बर, 2011 द्वारा न्यू नेशनल सहकारी साख संस्था मर्या., उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 1408, दिनांक 21 अक्टूबर, 1995 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एच. एल. मंसौर, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 30 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

मनोज जायसवाल,

उप-पंजीयक.

(292-N)

### कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/1975/2604, विदिशा, दिनांक 3 सितम्बर, 1975 से दी विदिशा सहकारिता विभागीय कर्मचारी साख सहकारी संस्था मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./123, दिनांक 31 अगस्त, 1964 को परिसमापन में लाया जाकर श्री एफ. एस. राय, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जिला विदिशा को संस्था का समापक नियुक्त किया गया था।

समापक द्वारा दी विदिशा सहकारिता विभागीय कर्मचारी साख सहकारी संस्था मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा की परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर संस्था का अन्तिम प्रतिवेदन संस्था का पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

मैं, समापक के द्वारा की गई कार्यवाही का अवलोकन करने के पश्चात् इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-एक-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये दी विदिशा सहकारिता विभागीय कर्मचारी साख सहकारी संस्था मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./123, दिनांक 31 अगस्त, 1964 का पंजीयन निरस्त करते हुए उसका निगम निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) इस आदेश दिनांक से समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 13 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(294)

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/1969/110, विदिशा, दिनांक 8 जनवरी, 1969 से दी विदिशा प्रकाशन एवं मुद्रण सहकारी समिति मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./29, दिनांक 06 अप्रैल, 1960 को परिसमापन में लाया जाकर श्री एफ. एस. राय, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जिला विदिशा को संस्था का समापक नियुक्त किया गया था।

समापक द्वारा दी विदिशा प्रकाशन एवं मुद्रण सहकारी समिति मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा की परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर संस्था का अन्तिम प्रतिवेदन संस्था का पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

मैं, समापक के द्वारा की गई कार्यवाही का अवलोकन करने के पश्चात् इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-एक-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये दी विदिशा प्रकाशन एवं मुद्रण सहकारी समिति मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./29, दिनांक 06 अप्रैल, 1960 का पंजीयन निरस्त करते हुए उसका निगम निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) इस आदेश दिनांक से समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 13 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(294-A)

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/1998/66, विदिशा, दिनांक 9 जनवरी, 1998 से ईट व कुम्भ उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./81, दिनांक 31 अक्टूबर, 1961 को परिसमापन में लाया जाकर श्री एफ. एस. राय, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जिला विदिशा को संस्था का समापक नियुक्त किया गया था।

समापक द्वारा ईट व कुम्भ उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा की परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर संस्था का अन्तिम प्रतिवेदन संस्था का पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

मैं, समापक के द्वारा की गई कार्यवाही का अवलोकन करने के पश्चात् इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-एक-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये ईट व कुम्भ उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./81, दिनांक 31 अक्टूबर, 1961 का पंजीयन निरस्त करते हुए उसका निगम निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) इस आदेश दिनांक से समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 13 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

भूपेन्द्र प्रताप सिंह,  
उप पंजीयक.

(294-B)



# मध्यप्रदेश राजपत्र

## प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 18 ]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 2 मई, 2014-वैशाख 12, शके 1936

### भाग 3 ( 2 )

#### सांख्यिकीय सूचनाएं

#### कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश

मौसम, फसल एवं पशु-स्थिति का साप्ताहिक प्रतिवेदन, सप्ताहान्त बुधवार, दिनांक 01 जनवरी, 2014

1. मौसम एवं वर्षा.—राज्य में इस सप्ताह आकाश मेघाच्छादित रहा है तथा राज्य के निम्नलिखित जिलों में वर्षा का होना पाया गया है।

( अ ) 0.1 मि. मी. से 17.4 मि. मी. तक.—तहसील अम्बाह, पोरसा, मुरैना, जौरा, सबलगढ़, कैलारस ( मुरैना ), श्योपुर, कराहल, विजयपुर ( श्योपुर ), डबरा, भितरवार, घाटीगाँव ( ग्वालियर ), शिवपुरी, नरवर, करैरा, कोलारस, पोहरी, बदरवास ( शिवपुरी ), मुंगावली, चन्देरी ( अशोकनगर ), पृथ्वीपुर, वल्देवगढ़ ( टीकमगढ़ ), लवकुश नगर, गौरीहार, नौगाँव ( छतरपुर ), महिदपुर, तराना, घटिया, उज्जैन, बड़नगर ( उज्जैन ), लटेरी, सिरोंज, कुरवाई ( विदिशा ) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

( ब ) 17.5 मि. मी. से 34.9 मि. मी. तक.—तहसील पिछोर, खनियाधाना ( शिवपुरी ), ईसागढ़, अशोकनगर ( अशोकनगर ), निवाड़ी, जतारा, टीकमगढ़, पलेरा, ओरछा ( टीकमगढ़ ) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

( स ) 35.0 मि. मी. से 53.1 मि. मी. तक.—तहसील ग्वालियर ( ग्वालियर ) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

2. जुताई.—जिला श्योपुर, ग्वालियर, रीवा, अनूपपुर, उमरिया, जबलपुर में जुताई का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

3. बोनी.—जिला श्योपुर, ग्वालियर, रीवा, अनूपपुर, उमरिया, खरगोन में रबी फसलों की बोनी का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

4. फसल स्थिति.—

5. कटाई.—जिला बैतूल में खरीफ फसलों की कटाई का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

6. सिंचाई.—जिला ग्वालियर, शहडोल में सिंचाई हेतु पानी कहीं-कहीं अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

7. पशुओं की स्थिति.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में पशुओं की स्थिति संतोषप्रद है।

8. चारा.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

9. बीज.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

10. खेतिहर श्रमिक.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में खेतिहर श्रमिक पर्याप्त संख्या व उचित दर पर उपलब्ध हैं।

## मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का साप्ताहिक सूचना-पत्रक, सप्ताहांत बुधवार, दिनांक 1 जनवरी, 2014

जिला/तहसीलें	1. सप्ताह में हुई वर्षा:- (अ) वर्षा का माप (मि.मी.) में (ब) वर्षा कम है या बहुत अधिक.	2. कृषि कार्यों की प्रगति तथा उन पर वर्षा का प्रभाव:- (अ) प्रारम्भिक जुताई पर. (ब) बोनी पर. (स) रोपाई पर, अगर धान की रोपाई होती हो. (द) खड़ी फसल पर, रोग व कीड़ों के आक्रमण के असर का वर्णन सहित. (य) कटी हुई फसल पर.	3. अन्य असामयिक घटना और उसका फसलों पर प्रभाव. 4. खड़ी फसल का व्यापक रूप से अनुमान, गत वर्ष की तुलना में :- (1) फसल का क्षेत्रफल - (अ) अधिक, समान या कम. (ब) प्रतिशत. (2) फसल की हालत- (अ) सुधरी हुई, समान या बिगड़ी हुई. (ब) प्रतिशत.	5. सिंचाई के लिये पानी (कम अथवा अधिक). 6. पशुओं की हालत तथा चारे की प्राप्ति.	7. बीज की प्राप्ति. 8. कृषि-सम्बन्धी मजदूरों की प्राप्ति.
1	2	3	4	5	6
<b>जिला मुरैना :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. ... 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. ... 8. पर्याप्त.
1. अम्बाह	7.0				
2. पोरसा	2.0				
3. मुरैना	16.0				
4. जौरा	7.0				
5. सबलगढ़	15.0				
6. कैलारस	10.0				
<b>जिला श्योपुर :</b>	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. ... 4. (1) तुअर, गन्ना, गेहूँ, जौ, चना, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. श्योपुर	8.0				
2. कराहल	14.0				
3. विजयपुर	14.0				
<b>*जिला भिण्ड :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ... 4. (1) .. (2) ..	5. ... 6. ...	7. ... 8. ...
1. अटेर	..				
2. भिण्ड	..				
3. गोहद	..				
4. मेहगांव	..				
5. लहार	..				
6. मिहोना	..				
7. रौन	..				
<b>जिला ग्वालियर :</b>	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गन्ना, मूँग-मोठ, तुअर, मूँगफली, तिली अधिक. उड़द कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. ग्वालियर	35.0				
2. डबरा	11.0				
3. भितरवार	16.0				
4. घाटीगांव	3.0				
<b>जिला दतिया :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) उड़द, तिली, सोयाबीन, मूँगफली, ज्वार, धान, गन्ना, बाजरा, मक्का, मूँग. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सेवड़ा	..				
2. दतिया	..				
3. भाण्डेर	..				
<b>जिला शिवपुरी :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ... 4. (1) गन्ना, गेहूँ, चना अधिक. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. शिवपुरी	13.0				
2. पिछोर	20.0				
3. खनियाधाना	26.0				
4. नरवर	5.0				
5. करैरा	7.0				
6. कोलारस	3.0				
7. पोहरी	10.0				
8. बदरवास	17.0				

1	2	3	4	5	6
<b>जिला अशोकनगर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. मुंगावली	4.0		4. (1) सोयाबीन, गेहूँ अधिक. उड़द, मक्का, गन्ना, चना कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. ईसागढ़	30.0		(2) ..		
3. अशोकनगर	18.0				
4. चन्देरी	4.0				
5. शादौरा	..				
<b>जिला गुना :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. गुना	..		4. (1) गेहूँ, चना समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. ..
2. राधौगढ़	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बमोरी	..				
4. आरोन	..				
5. चाचौड़ा	..				
6. कुम्भराज	..				
<b>जिला टीकमगढ़ :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवाड़ी	28.0		4. (1) गन्ना, तुअर, गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, राई-सरसों, अलसी समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पृथ्वीपुर	13.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. जतारा	18.0				
4. टीकमगढ़	25.0				
5. बल्लेवगढ़	2.0				
6. पलेरा	20.0				
7. ओरछा	22.0				
<b>जिला छतरपुर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. लवकुशनगर	10.0		4. (1) ज्वार, अरहर अधिक. तिल कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. गौरीहार	17.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. नौगांव	11.0				
4. छतरपुर	..				
5. राजनगर	..				
6. बिजावर	..				
7. बड़ामलहरा	..				
8. बक्सवाहा	..				
<b>जिला पन्ना :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. ..
1. अजयगढ़	..		4. (1) मक्का, तुअर, उड़द, सोयाबीन, चना, राई-सरसों, अलसी, मसूर, मटर, आलू, प्याज अधिक. धान, ज्वार, बाजरा, मूँग, तिल, गेहूँ जौ कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पन्ना	..		(2) ..		
3. गुन्नौर	..				
4. पवई	..				
5. शाहनगर	..				
<b>जिला सागर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बीना	..		4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तिवड़ा, राई-सरसों, अलसी, आलू, प्याज समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खुरई	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बण्डा	..				
4. सागर	..				
5. रेहली	..				
6. देवरी	..				
7. गढ़ाकोटा	..				
8. राहतगढ़	..				
9. केसली	..				
10. मालथोन	..				
11. शाहगढ़	..				

1	2	3	4	5	6
<b>जिला दमोह :</b>	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) लाख, तिवड़ा, तुअर, गेहूँ, चना, मटर, अलसी, राई-सरसों, मसूर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हटा	..				
2. बटियागढ़	..				
3. दमोह	..				
4. पथरिया	..				
5. जवेरा	..				
6. तेन्दूखेड़ा	..				
7. पटेरा	..				
<b>जिला सतना :</b>	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ अधिक. तुअर, अलसी कम. चना, मसूर, सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. रघुराजनगर	..				
2. मझगावां	..				
3. रामपुर-बघेलान	..				
4. नागौद	..				
5. उचेहरा	..				
6. अमरपाटन	..				
7. रामनगर	..				
8. मैहर	..				
9. बिरसिंहपुर	..				
<b>जिला रीवा :</b>	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, चना, मसूर, अलसी, जौ कम. अरहर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. त्योंथर	..				
2. सिरमौर	..				
3. मऊगंज	..				
4. हनुमना	..				
5. हजूर	..				
6. गुढ़	..				
7. रायपुरकर्चुलियान	..				
<b>जिला शहडोल :</b>	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, मक्का, कोदों-कुटकी, उड़द, सोयाबीन, मटर, मसूर, तिवड़ा कम. गेहूँ समान. (2) . .	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोहागपुर	..				
2. ब्यौहारी	..				
3. जैसिंहनगर	..				
4. जैतपुर	..				
<b>जिला अनूपपुर :</b>	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) चना, मटर, गेहूँ अधिक. मसूर कम. राई-सरसों, अलसी समान. (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जैतहरी	..				
2. अनूपपुर	..				
3. कोतमा	..				
4. पुष्पराजगढ़	..				
<b>जिला उमरिया :</b>	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) चना, मटर, अलसी, राई-सरसों, तुअर अधिक. गेहूँ, जौ कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बांधवागढ़	..				
2. पाली	..				
3. मानपुर	..				



1	2	3	4	5	6
<b>जिला सीधी :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. गोपदवनास	..		4. (1) अलसी, राई-सरसों, चना, मटर, मसूर, गेहूँ, जौ समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. सिंहावल	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. मझौली	..				
4. कुसमी	..				
5. चुरहट	..				
6. रामपुरनैकिन	..				
<b>जिला सिंगरौली :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. ..	7. पर्याप्त.
1. चितरंगी	..		4. (1) धान, तुअर, गेहूँ अधिक. जौ कम. ज्वार, मूंग, उड़द, कोदों, राई-सरसों, अलसी, मसूर, चना, आलू समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. देवसर	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. सिंगरौली	..				
<b>जिला मन्दसौर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सुवासरा-टप्पा	..		4. (1) गेहूँ, चना अधिक. रायडा, अलसी समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. भानपुरा	..		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
3. मल्हारगढ़	..				
4. गरोठ	..				
5. मन्दसौर	..				
6. सीतामऊ	..				
<b>*जिला नीमच :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. जावद	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. नीमच	..		(2) ..		
3. मनासा	..				
<b>जिला रतलाम :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. जावरा	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. आलोट	..		(2) ..		
3. सैलाना	..				
4. बाजना	..				
5. पिपलौदा	..				
6. रतलाम	..				
<b>जिला उज्जैन :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. खाचरौद	..		4. (1) गेहूँ अधिक. चना कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. महिदपुर	3.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. तराना	11.0				
4. घटिया	6.0				
5. उज्जैन	5.0				
6. बड़नगर	6.2				
7. नागदा	..				
<b>जिला शाजापुर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. मो. बड़ोदिया	..		4. (1) गेहूँ, चना, राई-सरसों समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. शाजापुर	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. शुजालपुर	..				
4. कालापीपल	..				
5. गुलाना	..				

1	2	3	4	5	6
<b>जिला देवास :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर, उड़द, मूँगा-मोठ, गन्ना अधिक. कपास, मूँगफली कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोनकच्छ 2. टोंकखुर्द 3. देवास 4. बागली 5. कन्नौद 6. खातेगांव	.. .. .. .. .. ..				
<b>जिला झाबुआ :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, चना, कपास अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. थांदला 2. मेघनगर 3. पेटलावद 4. झाबुआ 5. राणापुर	.. .. .. .. ..				
<b>जिला अलीराजपुर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ अधिक. तुअर, चना कम. , कपास समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. जोवट 2. अलीराजपुर 3. भामरा 4. कट्टीवाड़ा 5. सोण्डवा	.. .. .. .. ..				
<b>जिला धार :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) सोयाबीन, कपास, मक्का अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. बदनावर 2. सरदारपुर 3. धार 4. कुक्षी 5. मनावर 6. धरमपुरी 7. गंधवानी 8. डही	.. .. .. .. .. .. .. ..				
<b>जिला इन्दौर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. देपालपुर 2. सांवेर 3. इन्दौर 4. महू	.. .. .. ..				
(डॉ. अम्बेडकरनगर)					
<b>जिला प. निमाड़ :</b>	मिलीमीटर	2. रबी फसलों की बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) ज्वार, मक्का, धान, बाजरा, कपास, मूँगफली, तुअर, गेहूँ, चना, अलसी, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बड़वाह 2. महेश्वर 3. सेगांव 4. खरगौन 5. गोगावां 6. कसरावद 7. भगवानपुरा 8. भीकनगांव 9. झिरन्या	.. .. .. .. .. .. .. .. ..				

1	2	3	4	5	6
<b>*जिला बड़वानी :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. बड़वानी	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. ठीकरी	..		(2) ..		
3. राजपुर	..				
4. सेंधवा	..				
5. पानसेमल	..				
6. पाटी	..				
7. निवाली	..				
8. अंजड	..				
9. बरला	..				
<b>जिला पूर्ण-निमाड़ :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. खण्डवा	..		4. (1) गेहूँ, चना समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. पंधाना	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
3. हरसूद	..				
<b>जिला बुरहानपुर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बुरहानपुर	..		4. (1) कपास, तुअर समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. खकनार	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
3. नेपानगर	..				
<b>जिला राजगढ़ :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. जीरापुर	..		4. (1) गन्ना, गेहूँ, चना, जौ, सरसों, मसूर	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. खिलचीपुर	..		अधिक.	चारा पर्याप्त.	
3. राजगढ़	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
4. ब्यावरा	..				
5. सारंगपुर	..				
6. पचौर	..				
7. नरसिंहगढ़	..				
<b>जिला विदिशा :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. लटेरी	13.0		4. (1) अलसी, राई-सरसों, लाख.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. सिरोंज	12.2		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. कुरवाई	7.0				
4. बासौदा	..				
5. नटेरन	..				
6. विदिशा	..				
7. ग्यारसपुर	..				
<b>जिला भोपाल :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बैरसिया	..		4. (1) गेहूँ, मसूर, चना, गन्ना समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. हुजूर	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
<b>जिला सीहोर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. सीहोर	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. आष्टा	..		(2) ..	..	
3. इछावर	..				
4. नसरुल्लागंज	..				
5. बुधनी	..				

1	2	3	4	5	6
<b>जिला रायसेन :</b>	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. रायसेन	..		4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तिबड़ा, सरसों, अलसी, गन्ना सुधरी हुई.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. गैरतगंज	..		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
3. बेगमगंज	..				
4. गोहरगंज	..				
5. बरेली	..				
6. सिलवानी	..				
7. बाड़ी	..				
8. उदयपुरा	..				
<b>जिला बैतूल :</b>	मिलीमीटर	2. खरीफ फसलों की कटाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. भैसदेही	..		4. (1) गेहूँ, मसूर, चना अधिक.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. घोड़ाडोंगरी	..		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
3. शाहपुर	..				
4. चिचोली	..				
5. बैतूल	..				
6. मुलताई	..				
7. आठनेर	..				
8. आमला	..				
<b>जिला होशंगाबाद :</b>	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सिवनी-मालवा	..		4. (1) चना, मटर, मसूर, मूंगमोठ अधिक. गेहूँ, तुअर कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. होशंगाबाद	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बाबई	..				
4. इटारसी	..				
5. सोहागपुर	..				
6. पिपरिया	..				
7. वनखेड़ी	..				
8. पचमढ़ी	..				
<b>जिला हरदा :</b>	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. हरदा	..		4. (1) गेहूँ.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खिड़किया	..		(2) . .		
3. टिमरनी	..				
<b>जिला जबलपुर :</b>	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सीहोरा	..		4. (1) गेहूँ, चना, अलसी, राई-सरसों समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पाटन	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. जबलपुर	..				
4. मझौली	..				
5. कुण्डम	..				
<b>जिला कटनी :</b>	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. कटनी	..		4. (1) चना, अलसी, मसूर, गेहूँ, राई-सरसों, मटर, जौ समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. रीठी	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. विजयराघवगढ़	..				
4. बहोरीबंद	..				
5. ढीमरखेड़ा	..				
6. बरही	..				

1	2	3	4	5	6
<b>*जिला नरसिंहपुर :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. गाडरवारा	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. करेली	..		(2) ..		
3. नरसिंहपुर	..				
4. गोटेगांव	..				
5. तेन्दूखेड़ा	..				
<b>जिला मण्डला :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवास	..		4. (1) गेहूँ, चना, राई-सरसों, मसूर,	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. बिछिया	..		अलसी सुधरी हुई.	चारा पर्याप्त.	
3. नैनपुर	..		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
4. मण्डला	..				
5. घुघरी	..				
6. नारायणगंज	..				
<b>जिला डिण्डोरी :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. पर्याप्त.
1. डिण्डोरी	..		4. (1) तुअर, राई-सरसों, गेहूँ, चना, मसूर,	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. शाहपुरा	..		अलसी, मटर समान.	चारा पर्याप्त.	
			(2) उपरोक्त फसलें समान.		
<b>जिला छिन्दवाड़ा :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. छिन्दवाड़ा	..		4. (1) गेहूँ, चना, मटर, मसूर, तिल समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. जुन्नारदेव	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
3. परासिया	..				
4. जामई (तामिया)	..				
5. सोंसर	..				
6. पांदुर्णा	..				
7. अमरवाड़ा	..				
8. चौरई	..				
9. बिछुआ	..				
10. हरई	..				
11. मोहखेड़ा	..				
<b>जिला सिवनी :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. सिवनी	..		4. (1) धान, तुअर, रामतिल, गन्ना, गेहूँ,	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. केवलारी	..		चना, मटर, राई-सरसों अधिक. ज्वार,	चारा पर्याप्त.	
3. लखनादौन	..		बाजरा, कोदों-कुटकी, उड़द, तिल,		
4. बरघाट	..		सोयाबीन, सन, लाख, तिवड़ा, मूँग,		
5. कुरई	..		मूँगफली, मसूर, अलसी समान.		
6. घंसीर	..		(2) ..		
7. घनोरा	..				
8. छपारा	..				
<b>जिला बालाघाट :</b>	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बालाघाट	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. लाँजी	..		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. बैहर	..				
4. वारासिवनी	..				
5. कटंगी	..				
6. किरनापुर	..				

टीप.— \*जिला भिण्ड, नीमच, बड़वानी, नरसिंहपुर से पत्रक अप्राप्त रहे हैं.

राजीव रंजन,

आयुक्त,

भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश.